.. shrIrAmastuti (tulasIdAsa) ..

॥ श्रीरामस्तुति (तुलसीदास) ॥

॥ अथ श्रीरामस्तुति ॥

Encoded and proofread by Girish Beeharry (gkb at ast.cam.ac.uk)

श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन   हरण भवभय दारुणम् ।
नवकञ्ज लोचन कञ्ज मुखकर   कञ्जपद कञ्जरुणम् ॥ १॥
कंदर्प अगणित अमित छबि   नव नील नीरज सुन्दरम् ।
पटपीत पानहुँ तड़ित रुचि सुचि   नौमि जनक सुतावरम् ॥ २॥
भजु दीन बन्धु दिनेश दानव   दैत्यवंशनिकन्दनम् ।
रघुनन्द आनंदकंद कोशल   चन्द दशरथ नन्दनम् ॥ ३॥
सिरक्रीट कुण्डल तिलक चारु   उदार अङ्ग विभूषणम् ।
आजानुभुज सर चापधर   सङ्ग्राम जित खरदूषणम् ॥ ४॥
इति वदति तुलसीदास शङ्कर   शेष मुनि मनरञ्जनम् ।
मम हृदयकञ्ज निवास कुरु   कामादिखलदलमञ्जनम् ॥ ५॥
मन जाहि राचो मिलहि सोवर   सहजसुन्दर सांवरो ।
करुणानिधान सुजान शील   सनेह जानत रावरो । ६॥
एहि भाँति गौरि अशीस सुनि सिय   सहित हिय हर्षित अली ।
तुलसी भवानिहिं पूजि पुनि पुनि   मुदित मन मन्दिर चली ॥ ७॥
जानि गौरि अनुकूल   सिय हिय हर्षनः जात कहि ।
मञ्जुल मङ्गल मूल   वाम अङ्ग परकन लगे ॥
सियावर रामचन्द्र पद गहि रहुँ ।
उमावर शम्भुनाथ पद गहि रहुँ ।
महाविर बजरँगी पद गहि रहुँ ।
शरणा गतो हरि ॥

This is written in Hindi(Awadi rather, the language of Ayodhya and of the rAmacharitmAnasa).
1) The stuti itself is simple . The 1st part of each half-verse is sung with the pitch going up [:-)] . The 2nd part is rather toned down . Until someone comes up with a good idea on how to convey the pitch.
The spacing has been increased at the pauses.(It is possible that each shloka is 12 - - 10 - - -/ 12 - - 10/- - - -)
2) The last 4 lines are repeated during rAmacharitamAnasa chanting.

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated November 19, 2010